भुवनेश्वर में नमो सेमीकंडक्टर लैब को मंजूरी

'मेक इन इंडिया' और 'डिजाइन इन इंडिया' मिशनों को मिलेगा प्रोत्साहन

अश्विनी वैष्णव की पहल से देश में सेमीकंडक्टर अनुसंधान को मिलेगा नया बल

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर. केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आईआईटी भुवनेश्वर में नमो सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला की स्थापना को मंजूरी दे दी है. इस कदम का मुख्य लक्ष्य सेमीकंडक्टर डिजाइन, निर्माण और पैकेजिंग के क्षेत्र में देश के प्रतिभा पूल को मजबूत करना है. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, इस महत्वपूर्ण परियोजना पर अनुमानित 4.95 करोड़ की लागत आएगी, जिसका वित्तपोषण सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत किया जाएगा.

राष्ट्रीय मिशनों को मिलेगा बल- यह प्रयोगशाला भारत के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के लिए उद्योग-तैयार पेशेवरों को विकसित करने में अहम भूमिका निभाएगी. यह आईआईटी भुवनेश्वर को सेमीकंडक्टर अनुसंधान, डिजाइन और स्किलिंग के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करेगी. यह पहल सरकार के मेक इन इंडिया और डिजाइन इन इंडिया मिशनों को सीधा समर्थन प्रदान करेगी.लैब को उन्नत उपकरणों और सॉफ्टवेयर से लैस किया जाएगा, जिसमें उपकरणों के लिए 4.6 करोड़ और सॉफ्टवेयर के लिए 35 लाख आवंटित किए गए हैं. यह सुविधा संस्थान के मौजूदा सिलिकॉन कार्बाइड अनुसंधान और नवाचार केंद्र और क्लीनरूम बुनियादी ढांचे को पूरक बनाकर अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को मजबूत करेगी.

नमो सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला की स्थापना के साथ, भारत आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर उद्योग के निर्माण की दिशा में एक और रणनीतिक कदम उठा रहा है, जिससे युवाओं के लिए अवसर पैदा होंगे और राष्ट्र की तकनीकी संप्रभुता मजबूत होगी.

ओडिशा का उभरता सेमीकंडक्टर परिदृश्य

हाल ही में, ओडिशा भारत के सेमीकंडक्टर परिदृश्य में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरा है. इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत यहां पहले से ही सिलिकॉन कार्बाइड-आधारित कंपाउंड सेमीकंडक्टर और एक उन्नत 3डी ग्लास पैकेजिंग सुविधा सहित दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है. आईआईटी भुवनेश्वर में स्थापित होने वाली यह नई प्रयोगशाला इन परियोजनाओं को महत्वपूर्ण अनुसंधान और प्रतिभा विकास सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है.भारत पहले से ही वैश्विक चिप डिजाइन प्रतिभा का 20% हिस्सा रखता है. देश के 20 संस्थानों के छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए 28 चिप्स का सफलतापूर्वक टेप आउट होना, स्वदेशी सेमीकंडक्टर नवाचार के बढ़ते इकोसिस्टम को दर्शाता है.

एलन मस्क लॉन्च करेंगे 'ग्रोकीपीडिया'

विकिपीडिया को टक्कर देने वाला नया एआई आधारित ज्ञान मंच तैयार

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर. टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने घोषणा की है कि उनकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी द्वारा तैयार किया गया ज्ञान मंच 'ग्रोकीपीडिया' का प्रारंभिक बीटा संस्करण दो महीने में जारी किया जाएगा. मस्क का कहना है कि यह मंच विकिपीडिया का सशक्त विकल्प साबित होगा.

एलन मस्क ने सामाजिक मंच पर एक उपयोगकर्ता की पोस्ट साझा की, जिसमें 'ग्रोकीपीडिया' को मनुष्यों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सटीक ज्ञान स्रोत बताया गया था. जानकारी के अनुसार, यह मंच विकिपीडिया जैसे स्रोतों का विश्लेषण करने के लिए उन्नत गणनात्मक प्रणाली का उपयोग करेगा, जिससे यह तय किया जा सकेगा कि कौन-सी जानकारी पूरी तरह सत्य है, कौन-सी आंशिक रूप से सत्य है, कौन-सी असत्य है और कौन-सी जानकारी अधूरी या अनुपलब्ध है.

अन्य प्रमुख व्यावसायिक समाचारों के अनुसार, एलन मस्क हाल ही में 500 अरब डॉलर की कुल संपत्ति तक पहुँचने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बने हैं. वहीं, उनकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी का मूल्य इस वर्ष जुलाई में लगभग 75 अरब डॉलर आंका गया था.

एलन मस्क ने पहले भी विकिपीडिया की धनराशि जुटाने की प्रक्रिया और उसके संपादकीय दृष्टिकोण की आलोचना की है. उनके इस नए कदम पर लोगों की प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रही हैं- कुछ लोग इसका समर्थन कर रहे हैं, जबकि कुछ का मानना है कि इस मंच में भी पक्षपात की संभावना हो सकती है.

देश का गोल्ड रिजर्व अब तक के उच्चतम स्तर पर

मुंबई, 05 अक्टूबर. भारत का स्वर्ण भंडार एक ऐतिहासिक मुकाम की ओर बढ़ रहा है. वैश्विक भू-राजनैतिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने डॉलर पर निर्भरता घटाते हुए सोने को भंडारण का नया आधार बनाना शुरू किया है.

इसी रणनीति के तहत देश का गोल्ड रिजर्व पहली बार 100 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया है. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश का स्वर्ण भंडार अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है. 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार 2.238 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 95.017 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है. यह पहला मौका है जब भारत का स्वर्ण भंडार 100 अरब डॉलर के नजदीक पहुंचा है. विशेषज्ञों का मानना है कि यह रणनीति न केवल मुद्रा के अस्थिर वातावरण में स्थिरता प्रदान करती है, बल्कि निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में भी सोने को मजबूती देती है. गौर करने वाली बात यह है कि विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरी बार गिरावट देखी गई है.

शीर्ष कंपनियों का मार्केट कैप 74,574 करोड़ बढ़ा

मुंबई, 05 अक्टूबर. पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में रही तेजी से देश की शीर्ष कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बड़ा बदलाव देखने को मिला. बीएसई की टॉप 10 कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 74,574 करोड़ रुपये की बढ़त दर्ज की गई, वहीं बाकी तीन कंपनियों को झटका लगा. पिछले सप्ताह की सकारात्मक चाल ने शीर्ष सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण को मजबूती दी है. बीएसई की टॉप-10 कंपनियों में से सात कंपनियों का संयुक्त एमकैप 74,574 करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि अन्य तीन कंपनियों को कुल 32,233 करोड़ रुपये की पूंजी गंवानी पड़ी. इस दौरान सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 30,106 करोड़ रुपये बढ़कर 14,81,890 करोड़ रुपये हो गया.

तीन महीनों में हो सकती है ईयू ट्रेड डील

कृषि, स्थिरता और बाजार पहुंच पर केंद्रित बातचीत से बढ़ी उम्मीदें

चर्चा के मुख्य मुद्दे-कृषि, स्थिरता और बाजार पहुंच

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर. भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने अगले तीन महीनों में ट्रेड डील (व्यापार समझौता) को अंतिम रूप देने का लक्ष्य रखा है. बातचीत में मुख्य रूप से कृषि, स्थिरता और बाजार पहुंच जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर आक्रामक रुख के कारण भारत और ईयू के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत तेज हो गई है.

यह ट्रेड डील वैश्विक स्तर पर व्यापार में बदलाव ला सकती है. रिपोर्टों के अनुसार, जहां यूरोपीय संघ इस समझौते को वैश्विक अस्थिरता के खिलाफ सुरक्षा के रूप में देखता है, वहीं भारत इसे सुधारों और विकास के एक दशक के बाद वैश्विक आर्थिक आत्मविश्वास के दावे के रूप में मानता है. नई दिल्ली के लिए यह समझौता हताशा की कार्रवाई नहीं, बल्कि नई व्यापार व्यवस्था को आकार देने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है.

बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग बेस और डिजिटल अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार भारत को उन यूरोपीय कंपनियों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है जो रूस और चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की रणनीति अपना रही हैं.

> हालांकि, भारत ने यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिजम से जुड़े बाध्यकारी स्थिरता प्रावधानों का विरोध किया है. केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को ऐतिहासिक उत्सर्जन के लिए दंडित करने को अनुचित बताया है. यदि यह ट्रेड डील अंतिम रूप लेती है, तो यह समझौता वैश्विक व्यापार नियमों को आकार देने में भारत के एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में उभरने का प्रतीक होगा.

रिलायंस ज्वेल्स का नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च

रवीना टंडन और बेटी राशा थडानी बनीं ब्रांड एंबेसडर

ग्राहकों को मिलेगा 100% ओल्ड गोल्ड एक्सचेंज वैल्यू का लाभ

मुंबई, 05 अक्टूबर. बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी ने पहली बार किसी ब्रांड के साथ संयुक्त रूप से डेब्यू किया है. रिलायंस ज्वेल्स ने अपना नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च किया है, जो दिवाली के उत्सव को समर्पित है. इस मौके पर मां-बेटी की यह जोड़ी ब्रांड की एंबेसडर बनी है, जो परंपरा और आधुनिकता के मेल को दर्शाती है.

रिलायंस ज्वेल्स के इस नए कलेक्शन में दिवाली से प्रेरित डिजाइन शामिल हैं, जैसे लक्ष्मी की आकृतियां, रंगोली, लालटेन, दीये, गेंदा, कमल के फूल और मोर. ये सोने और हीरों से बने हैं. कलेक्शन में इयररिंग्स, चोकर, लॉन्ग नेकलेस, चूड़ियां और रिंग्स जैसे आइटम हैं, जो दिवाली, धनतेरस, शादियों और अन्य उत्सवों के लिए तैयार किए गए हैं. ब्रांड ने ग्राहकों को 100 प्रतिशत ओल्ड गोल्ड एक्सचेंज वैल्यू की सुविधा दी है, जिससे पुराने आभूषणों की पूरी कीमत पर नए डिजाइन खरीदे जा सकते हैं. लॉन्च इवेंट में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की ग्रुप सीएमओ गायत्री यादव ने कहा कि भारतीयों का सोने से गहरा भावनात्मक रिश्ता है, जो परंपराओं और पहचान का प्रतीक है. समय के साथ शैलियां बदलती हैं, इसलिए यह कलेक्शन पुरानी विरासत को आधुनिक डिजाइन से जोड़ता है.

> **इस दिवाली पर ब्रांड विशेष ऑफर्स दे रहा है**
>
> सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 45 प्रतिशत तक छूट और हीरे के मूल्य व मेकिंग चार्ज पर 35 प्रतिशत तक छूट. ये ऑफर्स 2 नवंबर 2025 तक मान्य हैं. नया कलेक्शन देशभर के 140 से अधिक रिलायंस ज्वेल्स शोरूम्स पर उपलब्ध है. यह लॉन्च भारत के ज्वेलरी बाजार में उत्सव की चमक बढ़ाने वाला कदम है, जो ग्राहकों को विरासत को जीवित रखते हुए नया रूप देने का अवसर देता है.

अक्टूबर में भारी बिकवाली से बाजार में दबाव

एफपीआई का बाजार से मोहभंग जारी

इक्विटी से 3,842 करोड़ की शुद्ध बिकवाली

मुंबई, 05 अक्टूबर. अक्टूबर 2025 की शुरुआत भारतीय पूंजी बाजार के लिए अच्छी नहीं रही है. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने महज दो कारोबारी दिनों में ही 3,842 करोड़ रुपये की इक्विटी शुद्ध बिकवाली कर डाली है. इस बिकवाली के चलते निवेशकों का मनोबल गिरा है और बाजार पर दबाव बढ़ता दिख रहा है.

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाली का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा. अक्टूबर की शुरुआत महज दो कारोबारी दिनों में ही तेज बिकवाली के साथ हुई, जिसने निवेशकों और बाजार विश्लेषकों को चिंता में डाल दिया है. 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण बाजार बंद रहा, जिसके चलते केवल दो दिन ही कारोबार हुआ. लेकिन इन दो दिनों में एफपीआई की आक्रामक बिकवाली ने संकेत दे दिया कि विदेशी निवेशक फिलहाल भारतीय बाजार में सतर्क रुख अपनाए हुए हैं. आंकड़ों के अनुसार, पूंजी बाजार से एफपीआई की कुल शुद्ध निकासी 1,262 करोड़ रुपये रही. हालांकि एफपीआई ने इक्विटी से तो पैसा निकाला, लेकिन डेट बाजार में 2,681 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की.

वेदांता ने दूसरी तिमाही में बनाया जस्ता उत्पादन का नया रिकार्ड

नयी दिल्ली, 05 अक्टूबर. वेदांता लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि उसने वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के दौरान एल्युमीनियम, एल्युमिना, जस्ते के उत्पादन के नये तिमाही रिकार्ड बनाये हैं. इस दौरान कंपनी ने नयी स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता भी चालू की है.

कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार उसने इस वर्ष जुलाई-सितंबर तिमाही में 6.53 लाख टन एल्युमिना उत्पादन के साथ अपना अब तक का सबसे ऊंचा तिमाही उत्पादन दर्ज किया.

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मिला-जुला रुख

नयी दिल्ली, 05 अक्टूबर. बीते सप्ताह घरेलू थोक जिंस बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला. जहां गेहूं और कुछ खाद्य तेलों में तेजी रही, वहीं चावल, चीनी, दालें और अन्य तेलों की कीमतों में नरमी दर्ज की गई.

त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं को कुछ राहत जरूर मिली है. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह कई प्रमुख खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला. जहां एक ओर

चावल और चीनी जैसे जरूरी सामान सस्ते हुए, वहीं गेहूं की कीमतों में तेजी आई. खाद्य तेलों और दालों में मिश्रित रुख रहा. चावल की औसत कीमत 26 रुपये की गिरावट के साथ सप्ताहांत पर 3,811.35 रुपये प्रति क्विंटल रही.

समाचार विशेष

सीएम की कुर्सी छोड़ेंगे उमर अब्दुल्ला?

जम्मू. जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला लगातार केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की अपील करते रहे हैं और केंद्र सरकार के वादों का हवाला भी देते रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने इस्तीफा देने की धमकी भी दे दी है. उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के लिए भाजपा के साथ सरकार बनाने के बजाय वह इस्तीफा देना पसंद करेंगे.

दरअसल, दक्षिण कश्मीर में एक जनसभा में उमर ने अपनी ही पार्टी के विधायकों पर निशाना साधते हुए भाषण दिया. उन्होंने कहा, शायद अगर हमने भाजपा को सरकार में शामिल कर लिया होता, तो हमें बदले में एक तोहफा मिलता. हमें तुरंत राज्य का दर्जा मिल जाता. लेकिन क्या आप यह

समझौता करने को तैयार हैं? क्योंकि मैं तैयार नहीं हूं. जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, अगर आप तैयार हैं, तो कृपया मुझे बताएं. अगर पूर्ण राज्य का दर्जा पाने के लिए सरकार में भाजपा को शामिल करना ज़रूरी है, तो कृपया मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लें. किसी दूसरे विधायक को मुख्यमंत्री नियुक्त करें और भाजपा के साथ सरकार बनाएं. मैं ऐसी सरकार बनाने को तैयार नहीं हूं.

जीत के बाद सामने थे दो विकल्प : उमर

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि अगर उन्हें जम्मू-कश्मीर को एक राज्य के रूप में देखने के लिए इंतज़ार करना पड़ा, तो वे इंतज़ार करेंगे. उन्होंने आगे कहा कि उनकी पार्टी के सहयोगियों को साहस दिखाना होगा और संघर्ष करना होगा. उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनावों में अपनी पार्टी की भारी जीत के बाद, उनके पास दो विकल्प थे. उन्होंने कहा कि मैंने कभी भी परिस्थितियों को बहाने के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया; इसके बावजूद मुझे पता है कि काम करना कितना मुश्किल होता है. उमर अब्दुल्ला ने कहा कि एक विकल्प जो पहले अपनाया गया था, वह था भाजपा को सरकार का हिस्सा बनाना, जैसा कि मुफ्ती मोहम्मद सईद साहब ने 2015 में किया था और फिर महबूबा मुफ्ती ने 2016 में किया था. वे भाजपा को सरकार से बाहर रख सकते थे, लेकिन बहाना यह था कि भाजपा को सरकार का हिस्सा इसलिए बनाया गया क्योंकि जम्मू को प्रतिनिधित्व की ज़रूरत थी. भाजपा को सरकार में शामिल किए बिना, हमने जम्मू को प्रतिनिधित्व दिया.

खत्म होगा राजे का वनवास!

कैबिनेट फेरबदल और बड़ी भूमिका को लेकर कयास तेज

जयपुर. राजस्थान की सियासत एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सक्रियता से गरमा उठी है. साल 2023 में भाजपा हाईकमान द्वारा भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद से राजनीतिक रूप से हाशिए पर दिख रहीं राजे अब लगातार भाजपा और आरएसएस नेताओं से मुलाकात कर रही हैं. इसे राजे के राजनीतिक पुनरागमन का संकेत माना जा रहा है.

राजस्थान में संभावित कैबिनेट विस्तार की चर्चाओं के बीच कहा

जा रहा है कि राजे अपने वफादार नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल कराने की कोशिशों में जुटी हैं. पार्टी सूत्रों के अनुसार, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ और नीमबहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी जैसे उनके करीबी नेताओं के नाम चर्चा में हैं. हाल ही में राजे ने इस मुद्दे पर भाजपा केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की है. इसके अलावा, संसद के मानसून सत्र के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से भेंट की थी. वहीं, जोधपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से उनकी करीब 30 मिनट की मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं. नागपुर में संघ के शीर्ष नेताओं से हुई उनकी मुलाकातों ने भी अटकलों को और मजबूत किया है.

> **राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी की ओर इशारा**
>
> राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ पत्रकार मनीष गोधा के अनुसार जिस प्रकार का घटनाक्रम देखने को मिला है, उससे यह लगता है कि पार्टी एक बार फिर वसुंधरा राजे की तरफ झुकती हुई नजर आ रही है. वसुंधरा राजे को बड़े नेताओं से जिस प्रकार का महत्व मिला है वो किसी बड़ी जिम्मेदारी की ओर इशारा करता है, राष्ट्रीय स्तर पर राजे को बड़ी जिम्मेदारी की ओर इशारा करता है. इसके साथ ही, उनके बेटे और झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलने की भी चर्चाएं तेज हैं.

ओवैसी भीड़ से महागठबंधन की चिंता

पटना. ऑल इंडिया एमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने सीमांचल न्याय यात्रा शुरू कर दी है. इससे पहले उन्होंने मीडिया से बात की और कहा कि उन्होंने अपनी तरफ से सारी कोशिश कर ली कि सेकुलर वोट नहीं बंटे लेकिन महागठबंधन के नेताओं ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया.

गौरतलब है कि ओवैसी की पार्टी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस आलाकमान से कई बार कहा कि एमआईएम को गठबंधन में शामिल कर लिया जाए. इससे भाजपा विरोधी वोटों का बंटवारा नहीं होगा. ओवैसी ने कहा कि उनके ऊपर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाया जाता है लेकिन अब पता चल गया कि हकीकत क्या है.

इसके बाद उन्होंने सीमांचल न्याय यात्रा की शुरुआत की. यात्रा की शुरुआत में जैसी भीड़ जुटी वह महागठबंधन के लिए खतरे की घंटी है. महागठबंधन ने वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत सासाराम से 17 अगस्त को की थी और जैसी भीड़ उसमें जुटी वैसी भीड़ अकेले ओवैसी की सभा में जुट गई. हजारों की संख्या में मुस्लिम, जिसमें ज्यादा संख्या युवाओं की है, इस यात्रा में शामिल हुए.

विशेष | किसके बूते भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ छेड़ दी इतनी बड़ी जंग

कौन है तेज प्रताप यादव का पावर बैंक?

पटना. पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव विधानसभा चुनाव 2025 को ले कर अब गंभीर दिखने लगे हैं. एक तयशुदा गति के साथ जीत के समीकरण साधने का जुगाड़ भी कर रहे हैं. इनके अंदाज में थर्ड फ्रंट की नीति भी शामिल है. पर यह तभी संभव है जब एआईएमआईएम या बसपा जैसी पार्टियों का साथ मिल जाए. ऐसा होता है तो बिहार विधानसभा 2025 चुनाव में तेज प्रताप यादव भी एक फैक्टर साबित हो सकते हैं. एक बात तो तय है कि इस चुनाव में इनके खाते में प्लस कितना आता है, यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन तेज प्रताप महागठबंधन को तो नुकसान पहुंचा ही सकते हैं.

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि तेज प्रताप यादव के पीछे एक सशक्त राजनीतिक दल का हाथ है. गौर करें तो तेज प्रताप का पार्टी से और परिवार से निकाले जाने का कारण बहुत ही निजी है. तेज प्रताप के प्रेम प्रसंग और उनके अंतरंग संबंध जब मीडिया के प्लेटफार्म पर रंग दिखाने लगे तो पार्टी के प्रमुख होने के कारण राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के लिए निर्णय लेना जरूरी हो गया. चुप रहने से पार्टी और समाज में नुकसान साफ दिख रहा था. राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के इस निर्णय में मजबूरी भी साफ दिख रही थी. हालांकि इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता कि परिवार में राजनीतिक महत्वाकांक्षा चरम पर है. तेज प्रताप को ही देखें तो मीसा भारती और रोहिणी आचार्य एक तरह से उनके समर्थन में ही उतर आई हैं. इसका फायदा तेज प्रताप की पार्टी के उम्मीदवारों को एक लिमिट में ही सही लेकिन मिल सकता है. राजनीति संभावना का खेल होता है, यह सोच कर तेज प्रताप यादव ने सबसे पहले टीम तेज प्रताप यादव बनाया. फिर एक कदम आगे बढ़ते पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा की चुनावी जंग 2025 में नई पार्टी बना कर मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया. तेज प्रताप यादव ने अपनी पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दल रखा है. तेज प्रताप खुद भी चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं.

> **राजनीति के दांव पेंच**
>
> तेज प्रताप यादव ने राजद से अलग हो कर खुद को मजबूत करने के लिए पहले पार्टी बनाई और फिर गठबंधन की राजनीति का दामन थाम लिया. विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी), भोजपुरिया जन मोर्चा (बीजेएम), प्रगतिशील जनता पार्टी (पीजेपी), वाजिब अधिकार पार्टी (डब्ल्यूएपी) और संयुक्त किसान विकास पार्टी (एसकेवीपी) शामिल हैं. अभी चुनाव की घोषणा भी नहीं हुई है, तेज प्रताप यादव ने एआईएमआईएम के सामने गठबंधन का प्रस्ताव देकर एक बड़ी बाजी खेल दी है. वैसे भी सीमांचल में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को पटखनी देने वाले ओवैसी बिहार की राजनीति में एक ताकत के साथ उभरे हुए हैं.